हिन्दी

अध्याय-2: अभिनिस्क्रमण

SHIVOM CLASSES 8696608541

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 39)

प्रश्न 1 सिद्धार्थ को निर्वाण के विषय में पहली प्रेरणा किस प्रकार मिली?

उत्तर- सिद्धार्थ को निर्वाण के विषय में पहली प्रेरणा उनके वन-भ्रमण के दौरान मिली | जब वह वन के भ्रमण पर थे तब अचानक उन्हें एक भिक्षु के रूप में पुरुष दिखाई दिया | सिद्धार्थ के पूछे जाने पर कि वह कौन है भिक्षु ने उत्तर दिया कि मैं मोक्ष की खोज में निकला एक सन्यासी हूँ | मेरे अंदर अब सबके लिए एक भाव है, मुझे अब ना तो किसी से कोई आशा है ना ही कोई शिकायत है | मैं गृहस्थ जीवन त्याग,वन में ही विचरण करता हूँ | वन में जो मिल जाए वही खाकर पेड़ के नीचे,देवालय, पर्वत आदि पर रहकर जीवन व्यतीत करता हूँ |

प्रश्न 2 राजकुमार ने तपोवन ना जाने के लिए राजा के समक्ष क्या क्या शर्तें रखीं?

उत्तर- राजकुमार ने तपोवन ना जाने के लिए राजा के समक्ष कुछ असंभव शर्तें रखी थी जो कि निम्नलिखित हैं-

- मेरी मृत्यु ना हो,
- मैं सदा रोगमुक्त रहूँ,
- मुझे कभी बुढ़ापा ना आए और
- मेरी संपत्ति सदा बनी रहे |

प्रश्न 3 छंदक कौन था?सिद्धार्थ ने उसे नींद से क्यों जगाया?

उत्तर- छंदक घोड़ों का देखभाल करने वाला अथवा अश्ववरक्षक था | सिद्धार्थ ने छंदक को नींद से इसलिए जगाया क्योंकि उन्हें गृहस्थ जीवन त्याग कर मोक्ष की प्राप्ति के लिए वन जाना था | सिद्धार्थ को छंदक पर पूरा विश्वास था कि वह उनसे बिना कुछ सवाल किए उनकी आज्ञा का पालन करेगा, और छंदक ने भी निस्वार्थ भाव से सिद्धार्थ की आज्ञा का पालन किया |

प्रश्न 4 सिद्धार्थ से अलग होने पर छंदक और कंथक की दशा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए?

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर- सिद्धार्थ से अलग होने पर छंदक और कंथक बड़े ही दुःखी और व्याकुल थे, कन्थक की आंखों से भी आँसू आ रहे था | दोनों विरह के शोक में अत्यंत दुःखी थे | जो रास्ता छंदक ने सिद्धार्थ को वन ले जाने के वक्त एक रात में पूरा किया था उसी रास्ते पर वापस राजमहल जाने में छंदक को आठ दिन लग गये | कंथक ने भी सिद्धार्थ से विरह के गम में अन्न-पानी तक त्याग दिया | अपने स्वामी से अलग हो छंदक कुछ देर के लिए भूमि पर अचेत अवस्था में गिर पड़ा, फिर होश आने पर कंथक से लिपट कर रोने लगा और कपिलवस्तु के लिए निकल पड़ा | रास्ते में कभी गिरता, कभी रोता फिर उठता और आगे बढ़ता, यह रास्ता उन दोनों के लिए एक नामुमकिन सा रास्ता बन गया था |

प्रश्न 5 तपोवन में सिद्धार्थ ने तपस्वियों को क्या करने के लिए कहा?

उत्तर- तपोवन में सिद्धार्थ ने तपस्वियों से कहा कि आप सबका धर्म स्वर्ग के लिए है और मेरी इच्छा मोक्ष की है, इसलिए मेरा इस जगह पर कुछ काम नहीं है | मुझे भी आप सब लोगों से बिछड़ते हुए बहुत दुःख हो रहा है, परंतु मेरा यहाँ से जाना जरूरी है | आप लोग धर्म के प्रतिष्ठित लोग हैं,अनेक कठिन तप और साधनाओं के ज्ञानी है | आप लोग इसी प्रकार धर्म के मार्ग पर चलें |

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)